(Letter of intent) जारी किया गया है । इस योजना की लागत लगभग 22.3 करोड़ रुपया (15.8 करोड़ रुपये प्रद्रावक संयंत्र पर और 6.5 करोड़ रुपये बेलन-मिल के लिये) अनुमानित है ।

रेलवे कर्मचारियों के लिए अनाज की दुकानें

*279. श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री गुलशन :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे मंत्रालय अपने कर्मचारियों के लिये उसी प्रकार की अनाज की दूकानें खोलने का विचार कर रहा है जैसी 1949 से पहले खुली हुई थीं ; और

(ख) यदि हां, तो इन दूकानों के कब तक खुल जाने की संभावना है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी नहीं ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

Staff in Public Sector Steel Plants

*280. **Shri Karni Singhji:**
Shri Gulshan:

Will the Minister of **Steel and Mines** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the three public sector plants of Bhilai, Rourkela and Durgapur have employed a surplus staff of over 20,000 as compared to the requirements for full rated capacity but which has not yet been reached by these plants; and

(b) how these figures compare with similar capacity plants in U.S.A. and U.K.?

The Minister of Steel and Mines (Shri N. Sanjiva Reddy): (a) and (b). Bhilai has been working at full rated capacity and recently Durgapur has more or less reached this stage. Rourkela is lagging behind slightly but is expected to reach full rated capacity soon.

There is some surplus staff in the public sector steel plants. The position is being reviewed with a view to determine the exact extent of over staffing. The staff employed in similar capacity steel plants in the U.S.A., and U.K. will be kept in view in assessing the requirements.

Second Mining Machinery Plant

*281. **Shri Ramachandra Ulaka:**
Shri Dhuleshwar Meena:

Will the Minister of **Industry and Supply** be pleased to state:

(a) whether the location of the second mining machinery plant to be set up with the help of Polish Government has since been decided; and

(b) if so, what it is?

The Minister of Heavy Engineering in the Ministry of Industry and Supply (Shri T. N. Singh): (a) No, Sir.

(c) Does not arise.

Small Scale Industries

282. **Shri Ram Harkh Yadav:**
Shri Murli Manohar:
Shri P. C. Borooah:
Shrimati Renuka Barkataki:
Shri Ravindra Varma:

Will the Minister of **Industry and Supply** be pleased to state:

(a) whether Government have set up a committee for the equitable distribution of raw materials to the large and small scale industries in the country; and

(b) if so, its constitution and functions?

The Deputy Minister in the Ministry of Industry and Supply (Shri Bibudhendra Misra): (a) Yes, Sir.

(b) A statement is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-3170/64].

Heavy Compressors and Pumps Project

*283. **Shri Vidya Charan Shukla:**
Shri R. S. Pandey:
Shri Uikey:

Will the Minister of **Industry and Supply** be pleased to state:

(a) whether the location for setting up the proposed Heavy Compressors and Pumps Project in Public Sector has been decided;

(b) if so, where it is to be located; and

(c) whether any site in Madhya Pradesh is under consideration?

The Minister of Heavy Engineering in the Ministry of Industry and Supply (Shri T. N. Singh): (a) and (b). The location has not yet been decided.

(c) Three sites, namely Champa (near Korba, Bilaspur District), Seonath (near village Nipania, Bilaspur Tehsil) and Raigarh suggested by the Madhya Pradesh State Government have been under consideration along with the sites recommended by other State Governments.

चित्तरंजन कारखाने के भाप के इंजन

*284. **श्री रघुनाथ सिंह :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे ने चौथी योजना के अन्त तक चित्तरंजन कारखाने में भाप के इंजनों का निर्माण बन्द करने का निर्णय किया है ;

(ख) गत 8 वर्षों में कितने इंजनों का निर्माण किया गया तथा अगले सात वर्षों के क्या लक्ष्य हैं ; और

(ग) क्या सरकार ने इस परिवर्तन के कारण तेल तथा बिजली की आवश्यकता पर प्रभाव पड़ने के सम्बन्ध में विचार कर लिया है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) यद्यपि इस सम्बन्ध में अभी से कोई निश्चित और अन्तिम निर्णय करना समय से बहुत आगे जाना कहा जायेगा, फिर भी योजना इस आधार पर आगे बढ़ायी जा रही है कि जब नये ढंग के और अधिक उपयोगी रेल इंजनों, अर्थात् बिजली और डीजल से चलने वाले रेल इंजनों के निर्माण के लिए आवश्यक सुविधायें पूरी तरह जुटा ली जायें, तो डीजल और बिजली के रेल इंजनों के निर्माण की दिशा में उत्तरोत्तर अधिक ध्यान केन्द्रित किया जाये, क्योंकि ट्रंक मार्गों पर भारी यातायात को सम्हालने के लिए नये ढंग के इंजनों की आवश्यकता है और इनके संचालन से राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था में अधिकतम मितव्ययिता भी होगी । जब और जैसे भारतीय रेलें :—

(i) चित्तरंजन रेल इंजन कारखाने में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग बिजली रेल इंजन और उसके उपस्करों के निर्माण और अन्य आवश्यक तथा उपयुक्त प्रयोजनों के लिए करने लगगी ; और

(ii) डीजल तेल और बिजली की उपलब्धि को ध्यान में रखते हुए, मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त डीजल और बिजली रेल इंजनों का उत्पादन